एकलव्य

लाइब्रेरी से दोस्ती

रीडिंग व लाइब्रेरी पर तीन महीने का सर्टिफिकेट कोर्स

कोर्स के बारे में:

एकलव्य फाउंडेशन ने "लाइब्रेरी और रीडिंग को लेकर एक कोर्स" - **लाइब्रेरी से दोस्ती** - विकसित किया है। एकलव्य फाउंडेशन 40 वर्षों से शिक्षा और शिक्षा में नवाचार का काम कर रही है। इस दौरान एकलव्य ने लाइब्रेरी और रीडिंग को लेकर सरकारी तंत्र और समुदाय, दोनों में ही पढ़ने का माहौल बनाने का सार्थक काम किया है। अपने इन्हीं अनुभवों के आधार पर हमने लाइब्रेरी को एक सक्रिय जगह बनाने और शिक्षकों व कार्यकर्ताओं को लाइब्रेरी से जोड़ने के लिए इस कोर्स को विकसित किया है।

इस कोर्स का संचालन **एकलव्य फाउंडेशन, भोपाल** द्वारा किया जाएगा।

कोर्स के उद्देश्य:

- लाइब्रेरी को एक सक्रिय जगह बनाना
- पढ़ने की आदत विकसित करना
- बच्चे और उनके बचपन को समझना, बच्चों के सीखने की ज़रूरतों को बारीकी-से देखना-समझना
- बाल साहित्य के इस्तेमाल को लेकर नज़रिया विकसित करना
- शिक्षकों, कार्यकर्ताओं को पढ़ने से जोड़ना
- लाइब्रेरी के संचालन के तरीकों को साझा करना

कोर्स की विषय-वस्तु:

कोर्स के दौरान इन मुद्दों पर सघनता से काम होगा,

- लाइब्रेरी और पढ़ना: विभिन्न नज़रियों को जानना-समझना
- बच्चे की प्रचलित छवियाँ और बचपन की अवधारणा को समझना
- बाल साहित्य का इस्तेमाल और इनके ज़रिये भाषा सीखने-सिखाने की गतिविधियाँ

कोर्स किसके लिए:

यह कोर्स सरकारी-गैर-सरकारी स्कूल के शिक्षकों, लाइब्रेरी और बच्चों के साथ काम करने वाले कार्यकर्ताओं, लाइब्रेरी के काम में रुचि रखने वाले लोगों के लिए है।

कोर्स की अवधि:

यह कोर्स 3 माह का है। पूरे कोर्स में दो रिहायशी कार्यशालाएँ शामिल हैं - पहली 5 दिन और दूसरी 3 दिन की - कुल 08 दिन। इसके अलावा अन्तराल अवधि में ऑनलाइन मोड में दो वेबिनार होंगे। पूरे कोर्स में तीन असाइनमेंट लिखने होंगे, जिनके लिए प्रत्येक माह में 5-7 दिन का समय लगाना होगा। कोर्स का समापन भी वेबिनार के ज़रिये ही किया जाएगा।

कोर्स की भाषा/माध्यम: हिन्दी

कोर्स व प्रमाण पत्र की शर्तें:

कोर्स पूरा करने पर एकलव्य फाउंडेशन द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा। प्रमाण पत्र पाने के लिए आकलन के मापदंड इस प्रकार होंगे-

- कोर्स की दोनों कार्यशालाओं में पूरे समय उपस्थिति। कार्यशाला के सत्रों में भागीदारी - सवाल पूछना, चर्चा में शामिल होना, टिप्पणी करना, अपने सहपाठियों की मदद करना आदि।
- कोर्स के सभी ऑनलाइन सत्रों में उपस्थिति तथा सक्रिय भागीदारी।
- सम्बन्धित पठन सामग्री को पढ़ना और उस पर विचार करना।
- कोर्स में सीखी अवधारणाओं के आधार पर बच्चों के प्रति अपने नज़रिए, व्यवहार व काम में नए प्रयास करना।
- कोर्स के दौरान 03 असाइनमेंट कार्य पूरे करना। इसके लिए प्रश्न को ध्यान-से समझना, विषय के बारे में पढ़ना, अपनी मौजूदा समझ को विस्तार देना, अपने मौलिक विचारों और अनुभवों को पढ़े गए से जोड़ना, सिलसिलेवार और व्यवस्थित प्रस्तुति की कोशिश करना ज़रूरी होगा।

स्रोत व्यक्ति:

- दीपाली शुक्ला- एकलव्य के प्रकाशन कार्यक्रम से एक दशक से अधिक समय तक जुड़ी रहीं। इसके बाद समुदाय में पढ़ने का माहौल बनाने के कामों के तहत रीडिंग प्रोग्राम से जुड़ीं। लाइब्रेरी और रीडिंग के कामों के साथ ही इन विषयों पर शिक्षकों के प्रशिक्षण का भी काम कर रही हैं।

- अशोक हनोते: एकलव्य के अलग-अलग लाइब्रेरी कार्यक्रमों से लम्बे समय से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में शाहपुर, ज़िला बैतूल में पुस्तकालय संवर्धन कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं।
- नीतू यादव: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के कामों में लम्बे समय से जुड़ी हुई हैं और वर्तमान में एकलव्य की शिक्षा साहित्य टीम से सम्बद्ध हैं। लाइब्रेरी को लेकर लगातार अपने अनुभव लिख रही हैं।
- शिवनारायण गौर: एकलव्य के प्रकाशन कार्यक्रम से दो दशकों से जुड़े हुए हैं। समुदाय में पढ़ने के माहौल को बनाने का काम कर रहे हैं।
- टुलटुल बिस्वास: एकलव्य के प्रकाशन कार्यक्रम के सम्पादकीय समन्वयक के रूप में दो दशकों से अधिक समय तक बाल साहित्य व शिक्षा साहित्य की संकल्पना, विकास और प्रकाशन। शिक्षक शिक्षा के लिए कोर्स और सामग्रियों के विकास से जुड़ी हैं।

महत्वपूर्ण तारीखें:

- **गूगल फॉर्म भरने की अंतिम तारीख: 23 फरवरी, 2025**
- **कोर्स में चयन को लेकर प्रतिभागियों को सूचना: 01 से 05 मार्च, 2025**
- **पहली कार्यशाला- 01 से 05 अप्रैल 2025**
- **दूसरी कार्यशाला- 03 से 05 जून 2025**
- **पहला वेबिनार- मई 2025**
- **दूसरा वेबिनार- जून 2025**
- **कोर्स समापन वेबिनार- जुलाई 2025**
- **पहला असाइनमेंट- अप्रैल मध्य से मई की शुरुआत 2025**
- **दूसरा असाइनमेंट- मई मध्य से जून शुरुआत 2025**
- **तीसरा असाइनमेंट जून मध्य से जून अन्त 2025**

कोर्स शुल्क:

कोर्स पर होने वाले खर्च का एक छोटा हिस्सा हम सहभागियों या उन्हें भेजने वाली संस्थाओं से अदा करने की अपेक्षा करते हैं। पूरे कोर्स में 08 दिन की दो रिहायशी कार्यशालाओं, पठन सामग्री और स्रोत व्यक्तियों की फीस आदि का खर्च शामिल है।

इसके लिए प्रत्येक प्रतिभागी से 15,000 रुपए लेना अपेक्षित है।

कोर्स में स्कॉलरशिप भी दी जाएगी लेकिन यह सीमित संख्या में होगी और इसका निर्णय प्रतिभागियों के साथ टेलीफोनिक साक्षात्कार के बाद कोर्स टीम द्वारा किया जाएगा।

कोर्स फॉर्म का लिंक:

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfoXtM5L3tDRq-DmDQLUjCsN0ksyoIrEaHK40Oid3foU4s2jg/viewform?pli=1

इस कोर्स के सम्बन्ध में और अधिक जानने के लिए आप इन नम्बरों पर संपर्क कर सकते हैं।

1.	दीपाली	9977277425	librarysedosti_course@eklavya.in
2.	ज़िया अशरफ	9837243339	librarysedosti_course@eklavya.in
3.	अशोक	9630150419	librarysedosti_course@eklavya.in